

4, ३, ३४. VARĀH. BRU. S. 9, २४. २८, १०. ४८, १७. ३३, ४४. KATHĀS. १८, ९१. BHĀG. P. ४, १७, ५. १८, ११. २९. ५, १२. ७, १५, ३१. तीर्थ R. १, २, ७. शिलातल MBH. १, ७७१६. R. २, १६, ६. Weg MBU. ३, ५२०३. ६०४९. R. GORR. २, ८६, १७. SPR. (II) ३४४। ६११९. ६६६२. ७४६३. जिह्वा सुसमा VARĀH. BRU. S. ६८, ५३. पिण्डः glatt JĀGN. २, १०५. यदा — देवेशम् — भविष्यति समं भूमे: der Erde gleich werden KATHĀS. १२१, १४७. देवकुलं भूमिसमं कुरु १८०. देवगृहं भूमिसमं व्यथात् १८२. वेदशोधया पाञ्चं समा निधाय ĀCV. CR. १, १, २३. भूमिसमं सूत्रेण VARĀH. BRU. S. ५८, ७. गमने (einer Person) कर्पासमयेत् wenn (eine Krähe) in der Höhe des Ohres (vorbeifliegt) ११३, २५. °जठरशिरस् adj. Bauch und Kopf in gleicher Höhe haltend Z. d. d. m. G. २७, २६. — b) gleich (ähnlich) AK. २, १०, ३७. ३, ४, १४, ४०. H. १४६। an. २, ३४०. MED. m. ३५. HALJJ. ४, ९. RV. ४, १, ६. सूमौ चिह्नस्तौ न सुमं विविष्टः १०, ११७, ९. AV. २, ११, १. AIT. BR. ४, १९. ĀCAT. BA. ६, २, १, १९. ११, ५, ११, १२, २, १, ३. KĀTJ. CR. २, ३, ३१. ĀCV. GRH. २, ४, ३. केशात्ता: ĀNKH. GRH. १, ५. RV. PRĀT. १७, २३. TS. PRĀT. १७, २. वृत् gleichartig d. i. aus gleichen Theilen (Pāda) bestehend Ind. ST. ४, ३२६. ४६८. मौड़ी त्रिवृत्समा (मेखला) so v. a. mit gleich langen Fäden M. २, ४२, ३, ४९, ४, २२४. मा कृष्ण विषमं समम् २२५. ४, ७३, १७७. कन्या von gleichem Range ३६६. न समौ नासमौ १०, ७३. अंशा: १, ११६. विभाग १२०, १३४. साक्षिणः von beiden Seiten gleich an Zahl und Beschaffenheit JĀGN. २, ४७ (alle-sammt STENZLER; dann müsste aber समे, nicht समा: stehen). समोदक् adj. gleich viel Wasser enthaltend H. ४०९. समाक्षरैश्चतुर्भिः पदैः R. १, २, ४३, ४५. दशना: ३, ५२, २७. ५, १४, १७. SPR. (II) ३२१६. ४५३६. ५९४१. ६८६८. ĀCV. ३७. °वयोद्वयमणिय १३, १०. VARĀH. BRU. S. ४७, ४७. ६६, १, ६८, ४. KATHĀS. २४, ११५. ३२, ४५. RĀGĀ-TAR. ४, २०४. BHĀG. P. २, ३, ६. ३, ३२, २४. ४, २०, १३. यः स्त्रीमुखं च शशिनं च समं करोति einander gleichstellen SPR. (II) ३१४९. मुखद्वयः समे कृता BHĀG. २, ३४ (vgl. समसुखद्वयः). मज्जतः in Bezug auf LĀTJ. २, ६, १. घन्तरः desgl. R. १, २, २१. दिक्सम् der Richtung nach gleich, in derselben Richtung gelegen SŪBAS. ४, २५. mit instr. oder gen. P. २, ३, ७२. VOP. ३, १०, २३. समो देवैतृत् श्रिया (in Bezug auf) RV. ६, ४८, १९. ĀCAT. BR. ४, १, २४. M. २, १३१. १७२. ४, १४४. ३, १४२. ११, १३०. MBH. ३, ६००। न समा नम वीर्यस्य शताशेनापि पिण्डिताः १०, ६२२. R. GORR. २, ४, ३४. ७, १७, २४. RĀGH. २, ९. SPR. (II) ३२९. ५५७२. ७५०४. RĀGĀ-TAR. ५, ३९२. गुणायुक्ता दरिङ्गो ऽपि नेश्वरैरुगुणैः समः so v. a. mehr werth SPR. (II) २१५७. शक्तस्य समप्रभावः MBH. ३, १९५. न समात्स्य मानुषाः २०९८. बुद्धा समो यस्य नरो न विद्यते १५७१। न सैभाग्ये u. s. w. समो लोके तत् R. १, २४, १५. ५, १, १०. SPR. (II) २९३०. KATHĀS. २४, २७. आत्मनः समं करुं sich selbst gleich stellen १८, ७९. in comp. mit der Ergänzung P. २, १, ३१. उदात्तौ TS. PRĀT. १, ४२, ४५. fg. ĀCV. UP. ६, ८. M. १, १, २, १८८. ४, ८५, ४, १९१. fg. १०, ११३, ११, ४१. MBH. १, ५९२४. ६४३३. ५, ६०४८. R. १, १, ६. नमया पृथिवीमः ११, २, २६, ३२. RĀGH. ३, १३, २३. ĀCV. १३६. १८७। SPR. (II) २०२४. ३०५३. ३७७२. ४२८७. VARĀH. BRU. S. ५३, ३०. VET. IN LA. (III) १, १२. BRAHMA-P. ebend. ३०, १४. वायुवेगसम् = वायुसमवेग R. २, ४०, १७. द्विरामयः = द्विरामय ४, ४४, १७. der Bedeutung nach gleich AK. १, १, १, ५३. २, २४. खट्टया २, ६, २, ३९. TRIK. १, १, १२४. fg. am Ende eines comp. H. ५. homogen (Laut) VOP. १, ४. द्विःः doppelt so gross: देष्य JĀGN. ३, २८५. — c) sich gleich bleibend, nach wie vor —, unter verschiedenen Verhältnissen derselbe, unverändert: सवैरेत्यैश्चमूलः RV. ५, ६१, ४. समो दिवा देष्ये रेचमानः ७, ६२, १. KĀND. UP. २, १, १. मुखराम् RĀGH. १२, ४. वृत्ति १४, २१. BHĀG. P. ३, २४, १६. ४, ३०, ४२. ५, ४,

— १३, ६, १७, २२. समं मनो धत्स्व ७, ४, १०. यदंतकास्त्रिषु समाः AK. ३, ६, ६, ४६. gleich verfahren gegen (loc. oder gen.): सर्वेषु भूतेषु SPR. (II) २९२२. MBH. १, १९४२. BHĀG. P. ४, १६, ६. शत्रौ च मित्रे च SPR. (II) २६९। ३१३६, v. l. MĀK. P. ७८, २९, १०८, १७. सर्वस्य लोकस्य MBH. १, १०६। १३, ४०१७. तस्य च तस्य च JĀGN. ३, ५३. — d) gerade (von Zahlen), paar VARĀH. BRU. S. ५०, २०. BRU. ४, १४. LAGHU. १, १, १. — e) das richtige Maass u. s. w. habend, normal AIT. BR. ३, ७. R. १, १, १३. SUCR. १, १३०, १६. Wunde १३, १०. Verband ६६, १४. Verdauung १२८, ४. WISE ३२७. धातवः ĀCV. SAMĀ. १, ५, ३३. TS. PRĀT. २३, २०. समं कायशिरैपीवं धायत्वचलं स्थिरः BHĀG. ६, ४३ (vgl. IND. ST. २, १०). प्राणायानौ समौ कृत्वा ५, २७. शङ्कानि MBH. ३, १०६९. ein Tact १३, ४३९. HARIV. १००५। R. ७, ७१, १५. यम UVĀTA zu RV. PRĀT. १३, १७. वै-चम् MBH. १, ७९५। ५, २५. BHĀG. P. ४, ७, ४९. १९, २२. शब्द R. २, ११, २७. °साधुवादः KATHĀS. २०, २२६. गति SŪBAS. २, १२. BHĀG. P. ४, २३, १४. समं कुरु-घैतव्यकृतं मे so v. a. in Ordnung bringen KATHĀS. ६। ३२६. fgg. अधरात्रे स्थिते समे so v. a. gerade um Mitternacht MBH. ३, ४१८. मध्यानि समानि पदानाम् VARĀH. BRU. S. ५३, ५७. — f) das gewöhnliche Maass u. s. w. habend, mittelmässig: वृष्टि VARĀH. BRU. S. ४, २५, ३१. पत्ति ३४, ४२. २०, १, ५३. ११२. प्रवरसमन्यूनपरिमाण ५८, ३०. ६४, १०५. M. ३, १०७. सममत्राल्लापे दानं द्विगुणं ब्राह्मणाबुवे ७, ४५. Menschen ३, १०७. SPR. (II) ३७६८. ७४०३. — g) neutral, nicht Freund und nicht Feind VARĀH. BRU. २, १६. fg. २१(१९), ६. LAGHU. २, १०. — h) harmlos, gut: = साधु H. an. MED. Menschen SPR. (II) ५२. BHĀG. P. ७, १, १. समविषममतीनाम् ६, १, ३६. ehrlich zu Werke gehend M. १, २८७. — i) worüber man leicht hinweg kommt, bequem, leicht (ein Auftrag) SPR. (II) ७३४. — २) m. a) Friede: समो विधीपताम् R. ६, १, ४६. समार्थिन् १, ४, ७ �wohl fehlerhaft für शमः; eben so सममीपिवान् KĀM. NĪTIS. १७, १९. — b) (sc. योग) Durchschnittspunkt des Horizonts und der Mittagslinie GOL. GRAHĀNAY. ४५. fgg. — c) Strohfeuer (तृपाणि) HIR. २००. — d) N. pr. α) eines Sohnes des Dhṛitarāshṭra MBH. १, २७३। ४५४। ६, २८४। ४, २५५. — β) eines Fürsten der Nandivega MBH. ५, २७३. शम ed. BOMB. — ३) f. श्रा N. pr. einer Welt: ततः परं समा नाम दश्यते लोकस्थितिः (so ed. BOMB.) MBH. ६, ४७३. — ४) n. a) Ebene: पर्वतेषु समेषु च AV. ४, ७, १७. १२, १, २. श्रुनोवाक्ष्यं समे श्रीवनम् TS. ६, १, १, ४. समे भूमीः auf ebenem Boden ३, ३, ५. ĀCAT. BR. ४, १, १, १२. समानि विषमाणि च M. १, २४. MBH. १, ४६५०. SPR. (II) २१७७. ६८६७. R. २, ७९, १२. यत्र यत्र समं वस्या भूमे-रासीतदा HARIV. ३६३. समे M. ७, १९२. KĀM. NĪTIS. १२, ३०. समे, असमे १५, १२. — b) Ausgleichung, Abrechnung: कर्मणापि समं कुर्याद्विकायाधर्मिका: M. ४, १७७. — c) Gleichmässigkeit, Gleichmuth: समेन वर्तेत सदा धीरः SPR. (II) २८३३. — d) ein richtiges Maass: समेन so v. a. genau, præcis ĀCAT. BR. १२, ३, १, १२. — e) gute Verhältnisse: °संस्थित (Gegens. विषमस्य) MBH. १३९, २०; vgl. समस्य. — f) in der Rhetorik das Zusammentreffen zweier ähnlicher Objecte PRATĀPAR. ११२, a, ११. KUVALAJ. १०३, b. — g) mean; a fourth proportional to the two perpendiculars and the link or segment COLEBR. ALG. ४३. — ४) समम् adv. gaṇa स्वरादि zu P. १, १, ३७. = सह AK. ३, ३, ४. H. १३२७. HALJJ. ३, ११। a) ohne Ergänzung: α) auf gleiche Weise, gleich: सूमौ चिह्नस्तौ न सुमं विविष्टः RV. १०, ११७, ९. PRAČNOP. ३, १, १. वि-भज KĀTJ. CR. २, ४, ३४. ३, १५. ३, १५. M. १, १०४. ११२, २१२. यथा सर्वाणि भूतानि धरा धारपते समम् ३१। १२, ११. JĀGN.